

Padma Shri



SHRI MALJIBHAI DEVJIBHAI DESAI

Shri Maljibhai Devjibhai Desai is the Chairman of Gandhi Ashram Zilia, a charitable trust under whose leadership 11 educational institutions work for the wellbeing, upliftment of socially downtrodden families in the whole of Northern Gujarat. He has till date established more than 30 education institutes in the State of Gujarat. He is also actively involved in propagating Khadi and is acting as a Chariman of Khadi Gramodhyog Mandal, Sabarmati Ashram, Gujarat whose founder President was Hon'ble Sardar Vallabhbhai Patel.

2. Born on 1st January, 1938 in a Gopalak family in Lanva Village of Patan District in Northern Gujar, Shri Desai was able to study only up to Inter Arts, but has tirelessly worked for providing education to the boys and girls of Patan District and of the surrounding area. During his entire public life he has either worked in various capacities in many Institutes which are actively involved in Social Services in various parts of Gujarat. He served as an active Sevalal Leader in North Gujarat in his youth days. Ahead he also served as a President of Gujarat Nai Talim Sangh, the one established to facilitate the Gandhi Bapu's model for education.

3. Shri Desai is a hardcore follower of Gandhian Principles. In the days of his youth, when he was appointed to work as a Rector of Harijan Hostel at Mansa, his family and society strongly objected but he remained unmoved and refused to come back. Since then he has never been away from such dedication till date. In 1964, he established Gandhi Ashram Zilia under Sarvodaya Yojna of Government of Gujarat. The main activities include providing primary, and higher education to the boys and girls of backward sections of the societies and their well-being. He served as a Director of Asia one of the largest Dairy i.e. Dudhsagar Dairy for about 22 years with Late Mansinhbhai and Motibhai Chaudhary from the right earlier days. His work also extends their wings in the relief work during drought, devastating flood of Surat, Machchhu Dam Disaster, Kutch's destructive earthquake in the year 2001 and many more. Looking at his various services, the people of the area has elected him to serve as their Public Servant encompassing Panchayat Raj to Gujarat State Assembly.

4. Considering his unprecedented and exemplary work in the field of Social Services, Shri Desai has also been appreciated and recognized with many awards and appreciation from time to time. He received Darshak Award (Education) from Shri Manubhai Pancholi Darshak Foundation Lokbharti Sanosara in 2009. Indian Council for Social Welfare, Ahmedabad recognized him for "Glory of Gujarat Award" in 2013. He was also honored by Governor of Gujarat and Aapnu Mandal (Sevalal Parivar) in 2014 and also by Khadi Gramodhyog Sangh-Samvay-Rajkot on 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhiji for his constructive work for the society in the year 2018.

पद्म श्री



श्री मालजीभाई देवजीभाई देसाई

श्री मालजीभाई देवजीभाई देसाई गांधी आश्रम ज़िलिया, एक धर्मार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं जिसके नेतृत्व में 11 शिक्षण संस्थान पूरे उत्तरी गुजरात में सामाजिक रूप से पिछड़े हुए परिवारों की भलाई, उत्थान के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने अब तक गुजरात राज्य में 30 से अधिक शिक्षा संस्थानों को स्थापित किया है। वे खादी के प्रचार में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं तथा वे खादी ग्रामोद्योग मंडल, साबरमती आश्रम, गुजरात के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं, जिसके संस्थापक अध्यक्ष माननीय सरदार वल्लभभाई पटेल थे।

2. 1 जनवरी, 1938 को उत्तरी गुजरात में पाटन जिले के लांवा गांव में एक गोपालक परिवार में जन्मे, श्री देसाई केवल इंटर आर्ट्स तक ही पढ़ पाए थे, लेकिन उन्होंने पाटन जिले और आसपास के क्षेत्र में लड़कों और लड़कियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए अथक प्रयास किया है। अपने पूरे सार्वजनिक जीवन के दौरान उन्होंने कई संस्थानों में विभिन्न पदों पर कार्य किया है, जो कि गुजरात के विभिन्न हिस्सों में सामाजिक सेवाओं को प्रदान करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अपने युवा दिनों में उत्तरी गुजरात में एक सक्रिय सेवादल नेता के रूप में कार्य किया। आगे उन्होंने शिक्षा हेतु गांधी बापू मॉडल को सुविधाजनक बनाने के लिए स्थापित गुजरात नई तालिम संघ के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया गया था।

3. श्री देसाई गांधीवादी सिद्धांतों के पक्के अनुयायी हैं। अपनी युवावस्था के दिनों में, जब उन्हें मनसा में हरिजन छात्रावास के रेक्टर के रूप में काम करने के लिए नियुक्त किया गया था, तो उनके परिवार और समाज ने इसका कड़ा विरोध किया लेकिन वे अडिग रहे और वापस आने से इनकार कर दिया। तब से लेकर आज तक वे इस तरह समर्पण से कार्य करते रहे। वर्ष 1964 में, उन्होंने गुजरात सरकार की सर्वोदय योजना के तहत गांधी आश्रम जिला की स्थापना की। इसकी मुख्य गतिविधियों में समाज के पिछड़े वर्गों के लड़के और लड़कियों को प्राथमिक और उच्च शिक्षा प्रदान करना और उनकी भलाई करना शामिल है। उन्होंने शुरुआती दिनों से लगभग 22 वर्षों तक स्वर्गीय मानसिंहभाई और मोतीभाई चौधरी के साथ एशिया की सबसे बड़ी डेयरी अर्थात् दूधसागर डेयरी के निदेशक के रूप में कार्य किया। सूखे, सूरत की विनाशकारी बाढ़, मच्छू बांध आपदा, वर्ष 2001 में कच्छ के विनाशकारी भूकंप के दौरान राहत कार्य और कई अन्य कार्यों तक उनके क्षेत्र का विस्तार था। उनकी विभिन्न सेवाओं को देखते हुए, क्षेत्र के लोगों ने उन्हें गुजरात राज्य विधानसभा में पंचायत राज सहित अपने लोक सेवक के रूप में सेवा करने के लिए चुना है।

4. समाज सेवा के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व और अनुकरणीय कार्य को देखते हुए श्री देसाई को समय-समय पर कई पुरस्कारों से नवाजा गया और सराहा गया। उन्हें वर्ष 2009 में श्री मनुभाई पंचोली दर्शक फाउंडेशन, लोकभारती सनोसरा द्वारा दर्शन पुरस्कार (शिक्षा) से सम्मानित किया गया। भारतीय समाज कल्याण परिषद, अहमदाबाद ने उन्हें वर्ष 2013 में "ग्लोरी ऑफ गुजरात अवार्ड" से सम्मानित किया। उन्हें वर्ष 2014 में गुजरात के राज्यपाल और आपनू मंडल (सेवादल परिवार) द्वारा भी सम्मानित किया गया था तथा साथ ही महात्मा गांधीजी की 150वीं जयंती पर वर्ष 2018 में समाज के लिए उनके रचात्मक कार्यों के लिए खादी ग्रामोद्योग संघ समवाय-राजकोट पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया।